<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

भूटान-भारत अक्षय ऊर्जा राउंडटेबल: इरेडा के सीएमडी ने सहयोगात्मक वित्तपोषण के समाधानों को बढ़ावा दिया

थिम्पू (भूटान), 28 अक्टूबर 2024

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने आज थिम्पू में आयोजित भूटान-भारत अक्षय ऊर्जा राउंडटेबल में "नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण तक पहुंच" के बारे में एक महत्वपूर्ण चर्चा में भारत का प्रतिनिधित्व किया। भूटान सरकार के सहयोग से भारत सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने दोनों देशों के बीच अक्षय ऊर्जा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान किया।

श्री दास ने आश्वासन दिया कि इरेडा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के विनियामक फ्रेमवर्क के अंतर्गत भूटान की नवीकरणीय ऊर्जा पहलों को समर्थन देने के लिए तैयार है। उन्होंने परियोजना के वित्तपोषण के लिए 360 डिग्री मूल्यांकन दृष्टिकोण के लिए इरेडा की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, जिससे मजबूत और सतत वित्तपोषण के लिए विकल्प सुनिश्चित हो सके। प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों और अधिकतम दीर्घकालिक ऋण अवधि पर जोर देते हुए, श्री दास ने कहा कि इस क्षेत्र में इरेडा का अनुभव भूटान के नवीकरणीय ऊर्जा विकास पथ को काफी आगे बढ़ा सकता है। उन्होंने भूटान की स्थापित जलविद्युत क्षमताओं के साथ-साथ रूफटॉप सोलर को एक संभावित विकास क्षेत्र के रूप में भी अनुशंसित किया,और यह रेखांकित करते हुए कि नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को आज अनुदान के बजाय प्रतिस्पर्धी दरों पर ऋण वित्तपोषण की आवश्यकता है।

श्री दास ने इस बात पर भी जोर दिया कि अब बड़ी पनबिजली परियोजनाओं को अक्षय ऊर्जा के रूप में वर्गीकृत किया गया है, इसलिए इरेडा भूटान के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए बड़ी पनबिजली परियोजनाओं को वित्तपोषित कर सकता है।

इरेडा के महाप्रबंधक (परियोजना), श्री एस.के. डे ने भी "ऊर्जा मिश्रण में सौर ऊर्जा की भूमिका" शीर्षक सत्र में भाग लिया। और इस चर्चा के दौरान उन्होंने भूटान में सौर परियोजनाओं के विकास के लिए मिश्रित वित्तपोषण के महत्व के बारे में प्रकाश डाला।